अब शहर बनेगा सुंदर

पवित्र पानीपत प्रोजेक्ट के तहत वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट शुरू

पानीपत. गोहाना रोड पर गांव महराना में पवित्र पानीपत प्रोजेक्ट के तहत कूड़े को रिसाइकल करने की योजना का शुभारंभ मंगलवार को विधायक बलबीर पाल शाह ने किया।

पवित्र पानीपत प्रोजेक्ट के तहत कूड़े को रिसाइकिल करने का काम मंगलवार को शुरू हो गया। विधायक ने महराना गांव की पंचायती जमीन पर शुभारंभ किया। प्रोजेक्ट को पूरे जिले में शुरू करने की भी योजना है। इससे शहर का कूड़ा खत्म होगा।

कार्यालय संवाददाता.पानीपत

कूड़े को उपयोगी और शहर को सुंदर बनाने के लिए शुरू किया गया पवित्र पानीपत प्रोजेक्ट की टीम ने एक सफलता और हासिल कर ली है। गोहाना रोड पर गांव महराना की ज़मीन पर जीरो वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विधायक बलबीर पाल शाह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे और उपायुक्त महेंद्र कुमार भी मुख्य रूप से मौजूद थे।

नोर्थ इंडिया में पहला प्राजेक्ट

कार्यक्रम से पूर्व प्रेस वार्ता में पेप्सीको के सीईओ संजीव चड्डा ने बताया कि नोर्थ इंडिया में यह पहला प्रोजेक्ट है। एक्सनोरा, नगर परिषद, पेप्सी व रेजीडेंट एसोसिएशन के साथ मिलकर शुरू किया गया सफाई मिशन लोगों के सहयोग से ही पूरा होगा। घर-घर से जो कूड़ा उठाया जाएगा, उसे रिसाइकिल किया जाएगा। इससे पहले उन्होंने पम्मल में भी ऐसा ही प्रोजेक्ट शुरू किया था। इस अवसर पर एडीसी डा.अमित अग्रवाल, नगर परिषद प्रधान विनोद वढ़ेरा, डा. छाबड़ा, पेप्सीको के एचआर मैनेजर अनु गर्ग, नप के ईओ अरविंद कुमार, सचिव एनके सैनी, नप उपप्रधान रोहताश शर्मा, पार्षद अजीत सिंह सचदेवा, बृजरानी शर्मा, शांति चौहान, एक्सनोरा की वाइस चेयरमैन मंगलम बालासुब्रमणयम, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पर्यावरण अभियंता पीके गौड़, एईई दिनेश कुमार, मृणाल आदि मौजूद थे।

कार्यप्रणाली समझाई

साइट पर उपस्थित लोगों को प्रोजेक्ट के बारे में बताया गया। उन्हें खाद बनाने की कार्यप्रणाली के बारे में समझाया गया। यहां आर्गेनिक व नान आर्गेनिक चीजों को अलग-अलग रखा जाएगा और इससे खाद व प्लास्टिक का सामान भी बनाया जाएगा।

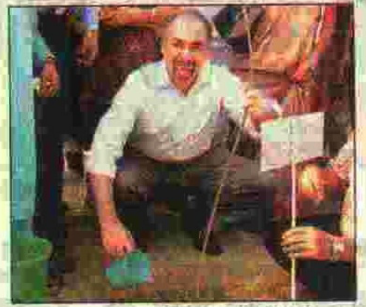

पेप्सीको कंपनी के सीईओ ने पौधरोपण किया।

प्रोजेक्ट का होगा विस्तार

पानीपत. नगर परिषद के एमई एनके जिंदल ने बताया कि पवित्र पानीपत प्रोजेक्ट को नगर परिषद की सीमा में शुरू किया जाएगा। अगले महीने से विराट नगर व भाटिया कालोनी में प्रोजेक्ट शुरू होगा। इसके बाद बाजारों और फिर पूरे जिले में घर-घर से कूड़ा उठाया जाएगा।

सामान बेचकर निकालेंगे खर्च

प्रोजेक्ट के प्रधान हरबंसलाल अरोड़ा ने बताया कि उनका टारगेट रिसाइकिल प्रोसेस से बनने वाले सामान को बेचकर ही सारा खर्चा उठाने का है। जब वे लाभ की स्थिति में होंगे तो किसी से कोई सहायता नहीं ली जाएगी।